

नई दुनिया



फीफा विश्व कप 2026: स्पेन ने उरुग्वे को 1-0 से हराकर ग्रुप एच में शीर्ष स्थान हासिल किया, उरुग्वे फीफा विश्व कप 2026 से हुआ बाहर

ग्विडालहारा
स्पेन ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एच के अपने अंतिम मुकाबले में शनिवार तड़के उरुग्वे को 1-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और नाकआउट चरण में प्रवेश किया। इस हार के साथ मार्सेलो बिएल्सा की टीम उरुग्वे का विश्व कप अभियान गुप्त चरण में ही समाप्त हो गया, जबकि केप वर्डे ने भी अंतिम-32 में जगह बना ली।

स्पेन ने पहले हाफ के 42वें मिनट में किया। मार्कोस ल्योरेटे के क्रास पर बाएन ने गेंद को नियंत्रित कर शाट लगाया, जिसे उरुग्वे के अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा रोकने में असफल रहे और गेंद उनके हाथों से निकलकर गोल में चली गई।
मैच की शुरुआत में स्पेन को बढ़त लेने का मौका मिला था, लेकिन मिकेल ओयारजाबाल का प्रयास उरुग्वे की रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिया। दूसरी ओर उरुग्वे भी आक्रामक दिखा, लेकिन डार्विन नुनेज़ और रोड्रिगो बेंटांकुर अपने अवसरों का फायदा नहीं उठा सके।

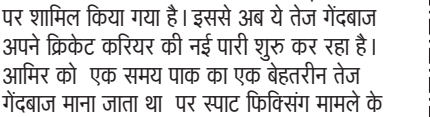
हाफ टाइम के बाद मुस्लेरा की जगह सर्जियो रोशेट को मैदान पर उतारा गया। इसके बावजूद उरुग्वे बराबरी का गोल नहीं कर सका। स्पेन के दानी ओल्मो और फेरान टोरेस ने बहुत दोगुनी करने के मौके बनाए, लेकिन एक प्रयास क्रासबार से टकरा गया।
इंजरी टाइम में उरुग्वे की मुश्किलें और बढ़ गईं जब अगस्टिन कानोबियो को पाउ कुबार्सी पर खतरनाक टैकल के कारण सीधा लाल कार्ड दिखाया गया। इसके बाद स्पेन ने आसानी से मैच समाप्त किया।
इस जीत के साथ स्पेन ग्रुप एच में शीर्ष पर रहा और अब 2 जुलाई को ग्रुप जे की उपविजेता

टीम से अंतिम-32 का मुकाबला खेलेगा। फिलहाल ग्रुप जे में आस्ट्रिया दूसरे स्थान पर है।
दूसरी ओर, केप वर्डे और सऊदी अरब के बीच मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने से केप वर्डे दूसरे स्थान पर रहते हुए पहली बार विश्व कप के नाकआउट चरण में पहुंच गया।
संक्षिप्त स्कोर
स्पेन 1-0 उरुग्वे
गोल: एलेक्स बाएना (42)
लाल कार्ड: अगस्टिन कानोबियो (उरुग्वे, इंजरी टाइम)।

न्यूज़ ब्रीफ

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नाट्स आउटलाज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन। विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नाट्स आउटलाज टीम से खेलेंगे। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरू कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिफिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नाटिंगमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नाकआउट चरण भी शामिल है। काउंटी टीम अभी नाथं ग्रुप में शीर्ष के करीब है और उन्हें उम्मीद है कि आमिर का लंबा अनुभव खिताब जीतने की उनकी संभावनाओं को और मजबूत करेगा। वलब ने कहा कि अब जब उन्हें ब्रिटिश पासपोर्ट मिल गया है। उन्हें विदेशी खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। गौरतलब है कि आमिर का करियर सबसे उत्तार-चढ़ाव भरा रहा है। सा 2009 टी20 विश्व कप और 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके नाम 364 टी20 मैचों में 425 विकेट लिए जिसमें उनका औसत 22.63 और इकानमी रेट 7.36 रहा।



पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरू कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिफिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नाटिंगमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नाकआउट चरण भी शामिल है। काउंटी टीम अभी नाथं ग्रुप में शीर्ष के करीब है और उन्हें उम्मीद है कि आमिर का लंबा अनुभव खिताब जीतने की उनकी संभावनाओं को और मजबूत करेगा। वलब ने कहा कि अब जब उन्हें ब्रिटिश पासपोर्ट मिल गया है। उन्हें विदेशी खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। गौरतलब है कि आमिर का करियर सबसे उत्तार-चढ़ाव भरा रहा है। सा 2009 टी20 विश्व कप और 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके नाम 364 टी20 मैचों में 425 विकेट लिए जिसमें उनका औसत 22.63 और इकानमी रेट 7.36 रहा।

फ्लोरिडा का 2027 तक चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच बने रहना तय



चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 सत्र में भी अच्छा नहीं रहा है हालांकि इसके बाद भी टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लोरिडा का अपने पद पर बने रहना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन ने कोच पर भरोसा जताया है जिससे तय है कि फ्लोरिडा 2027 सत्र में भी कोच बने रहेंगे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल के कुछ साल में टीम के प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है और टीम लगातार सवालों के घेरे में रही है। गौरतलब है कि सीएसके की सफलता में कोच के तौर पर फ्लोरिडा की अहम भूमिका रही है। साल वर्ष 2009 में मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से ही, फ्लोरिडा के मार्गदर्शन में टीम ने कई आईपीएल खिताब जीते और लीग की सबसे सफल तथा लोकप्रिय फ्रैंचाइजी में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई। इसी ऐतिहासिक सफलता और भरोसे के कारण ही फ्रैंचाइजी कंट्रिन टोर में भी उन्हें बनाये रखना चाहती है। फ्लोरिडा का अनुबंध हर साल नवीनीकृत किया जाता है और 2027 सत्र के लिए भी इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाए जाने की संभावना है।

विंडन में माया जाइंट से पहला मुकाबला खेलेंगी सेरेना

लंदन। सोमवार से शुरू हो रहे विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट से खेल में वापसी कर रही अमेरिका की 42 साल की अनुभवी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स अपना पहला मुकाबला आस्ट्रेलिया की 20 साल की माया जाइंट से खेलेंगी।

चार साल बार वापस कर रही सेरेना का मुकाबला देखने को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। सात बार की विम्बलडन एकल चैंपियन रही सेरेना ने साल 2022 में खेल से संन्यास ले लिया था। अब लगभग चार साल के लंबे अंतराल के बाद विम्बलडन में वह उतर रही हैं। सेरेना को इस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। एकल के अलावा, वह अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी, जहां विलियम्स बहनों की जोड़ी एक बार फिर खेलती दिखेगी। सेरेना ने अपनी वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से की थी, जिससे उनकी फिटनेस और खेल लय का संकेत मिला था। रिविबर को आल इंग्लैंड बलब द्वारा उनके एकल खेलने की आधिकारिक घोषणा ने उनकी वापसी को पक्का कर दिया। गौरतलब है कि सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहाँ उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

एफआईएच प्रो लीग: भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदा

लंदन
भारतीय पुरुष हार्की टीम ने एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को शुक्रवार देर रात 7-1 से करारी शिकस्त देकर शानदार जीत दर्ज की। ली वैली हार्की एंड टेनिस सेंटर में खेले गए मुकाबले में शुरुआती झटके के बाद भारत ने लगातार सात गोल दागते हुए पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।



भारत की ओर से सुखजीत सिंह (20वां मिनट), कसान हरमनप्रीत सिंह (26वां), हार्दिक सिंह (34वां), जुगराज सिंह (35वां), अभिषेक (41वां), राज कुमार पाल (44वां) और दिलप्रीत सिंह (54वां) ने गोल किए। पाकिस्तान के लिए एकमात्र गोल अबू बकर महमूद (13वां मिनट) ने किया।
भारतीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने किया दमदार पलटवार

मैच की शुरुआत तेज रफ्तार रही। भारत ने शुरुआती डेढ़ मिनट में ही पहला पेनल्टी कानर हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। इसके बाद 13वें मिनट में पाकिस्तान को पेनल्टी कानर मिला, जिस पर कसान अबू बकर महमूद ने ड्रैग फ्लिक से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।
दूसरे क्वार्टर में भारत ने पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बना लिया। 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कानर पर हरमनप्रीत सिंह की ड्रैग फ्लिक को सुखजीत सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन देकर गोल में बदलते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।
इसके छह मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कानर मिला, जिस पर हरमनप्रीत सिंह ने जोरदार ड्रैग फ्लिक के जरिए सीधे गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत का गोलों का तूफान

34वें मिनट में भारत को लगातार दो पेनल्टी कानर मिले, दूसरे कानर पर पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे हार्दिक सिंह ने आसानी से गोल में बदल दिया।
इसके तुरंत बाद भारत ने तेज जवाबी हमला बोला और दिलप्रीत सिंह व सुखजीत सिंह की शानदार तालमेल भरी मूव पर जुगराज सिंह ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। 41वें मिनट में सुखजीत के पास पर अभिषेक ने शानदार फोल्ड गोल किया। इसके बाद लगातार मिले पेनल्टी कानर के दौरान राज कुमार पाल ने रिबाउंड पर गोल कर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।
दिलप्रीत ने लगाया सातवां गोल
अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा जारी रहा। 54वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने बेहतरीन मूव को गोल में बदलते हुए भारत का सातवां गोल दागा।

मैच के अंतिम मिनटों में पाकिस्तान को लगातार दो पेनल्टी कानर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने दोनों प्रयास नाकाम कर दिए। इसके साथ ही भारत ने 7-1 की शानदार जीत अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत 7
(सुखजीत सिंह 20 हरमनप्रीत सिंह 26 हार्दिक सिंह 34 जुगराज सिंह 35 अभिषेक 41 राज कुमार पाल 44 दिलप्रीत सिंह 54)
पाकिस्तान 1
(अबू बकर महमूद 13)।

फीफा विश्वकप ट्राफी में लगे सोने की कीमतें दोगुनी हुईं



न्यूयॉर्क। हाल के कुछ समय में जिस प्रकार से सोने की कीमतों में उछाल आया है। उसका प्रभाव फीफा विश्वकप ट्राफी पर भी पड़ा है। इसी कारण फीफा विश्वकप ट्राफी में लगे सोने की कीमत अब बढ़कर लगभग 7.13 लाख डॉलर (तकरीबन 6.73 करोड़ रुपये) तक पहुंच गयी है चार साल पहले की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। वित्तीय आंकड़ों वाली एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 के विश्व कप के समय ट्राफी में मौजूद सोने का मूल्य लगभग 2.77 लाख डॉलर आका गया था। यह आंकड़ा दिखाता है कि केवल दो साल में सोने की कीमत में तेजी आई है। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप ट्राफी 18 कैरेट सोने से बनी है और इसका कुल वजन 6.175 किलोग्राम है। इसमें लगभग 4.93 किलोग्राम सोना जड़ा है। इसी कारण ये सबसे कीमती ट्राफी मानी जाती है। सोने की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार अनिश्चितता को माना जा रहा है। खिलाड़ियों के लिए विश्व कप ट्राफी का महत्व अमूल्य है, पर इसमें मौजूद सोने का मौद्रिक मूल्य इस बात का प्रमाण है कि इस कीमती धातु की कीमत पिछले कुछ साल में कितनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले 1974 के विश्व कप से पहले वर्तमान ट्राफी डिजाइन को पेश किया गया था, तब इसमें लगे सोने की अनुमानित कीमत केवल 25,000 डॉलर थी।

चंबल घड़ियाल्स ने पहली बार जीती सिंधिया ट्राफी; रायल निमाड़ ईगल्स को 31 रन से हराया

अभिषेक मावी की नाबाद 73 रन की आतिशी पारी भी नहीं बचा सकी निमाड़ की हार; चंबल के 224 रनों के जवाब में 193/7 पर यमी निमाड़ की पारी



इंदौर
होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के खिताबी महामुकाबले में चंबल घड़ियाल्स ने इतिहास रच दिया है। पिछले सीजन (2025) की उपविजेता रही चंबल घड़ियाल्स की टीम ने अतीत की हार को भुलाकर चमचमाती सिंधिया ट्राफी पर पहली बार अपना कब्जा जमा लिया है। इस रोमांचक फाइनल में चंबल घड़ियाल्स ने रायल निमाड़ ईगल्स को 31 रनों से शिकस्त दी। चंबल के 224 रनों के पहाड़

जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए रायल निमाड़ ईगल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 193 रन ही बना सकी। शानदार आलराउंड प्रदर्शन के लिए त्रिपुरेश सिंह (43 व 1 विकेट) को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।
कसान शुभम और अपूर्व के धमाके से बना रिकार्ड स्कोर - इससे पहले, रायल निमाड़ ईगल्स के टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को गलत साबित करते हुए चंबल

घड़ियाल्स के बल्लेबाजों ने रनों की बरसात कर दी। चंबल की शुरुआत तेज रही। हर्ष दीक्षित ने मात्र 18 गेंदों पर 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 32 रनों की आतिशी पारी खेली, जबकि अंकुश सिंह ने 12 रन का योगदान दिया। पहले दो विकेट 45 रन पर गिर जाने के बाद कसान शुभम शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज अपूर्व द्विवेदी के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 83 रनों की तूफानी साझेदारी ने मैच का पासा पलट दिया। अपूर्व ने

मैच के अंतिम मिनटों में पाकिस्तान को लगातार दो पेनल्टी कानर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने दोनों प्रयास नाकाम कर दिए। इसके साथ ही भारत ने 7-1 की शानदार जीत अपने नाम कर ली।
संक्षिप्त स्कोर:
भारत 7
(सुखजीत सिंह 20 हरमनप्रीत सिंह 26 हार्दिक सिंह 34 जुगराज सिंह 35 अभिषेक 41 राज कुमार पाल 44 दिलप्रीत सिंह 54)
पाकिस्तान 1
(अबू बकर महमूद 13)।

करीब 25 गेंदों में 3 चौकों और 5 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 51 रन कूट डाले। वहीं कसान शुभम शर्मा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 38 गेंदों पर 61 रनों (5 चौके, 3 छक्के) की बेहतरीन पारी खेली। डेथ ओवरों में त्रिपुरेश सिंह ने 24 गेंदों पर 43 रन की अमूल्य नाबाद पारी खेली, जबकि रोहित कुमार गुप्ता ने मात्र 7 गेंदों पर 17 रन ठोककर टीम का स्कोर 224/5 तक पहुंचाया।
रायल निमाड़ ईगल्स की ओर से पारूष मंडल (4 ओवर, 40 रन), देवेंद्र सिंह कटैट (4 ओवर, 47 रन), पुष्कर विश्वकर्मा (4 ओवर, 38 रन) और कुमार कार्तिकेय (4 ओवर, 52 रन) को 1-1 सफलता तो मिली, लेकिन वे चंबल का बरंडूी एक्सप्रेस को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे। कार्तिकेय और कटैट इस खिताबी मुकाबले में सबसे महंगे साबित हुए।
अभिषेक मावी का जुझारू अर्धशतक, गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से चंबल बना चैंपियन - 225 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा

करने उतरी रायल निमाड़ ईगल्स ने पावरप्ले में 76 रन बनाकर बेहद आक्रामक शुरुआत की थी। कसान हिमांशु मन्त्री ने 25 गेंदों में 44 रनों की कसान पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही निमाड़ का मध्यक्रम तारा के पतों की तरह बिखर गया। टीम ने महज 23 रनों के भीतर अपने 5 विकेट गंवा दिए और स्कोर 96/2 से देखते ही देखते 119/7 हो गया। जब निमाड़ की हार पूरी तरह तय नजर आ रही थी, तब निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आए अभिषेक मावी ने चंबल के गेंदबाजों के खिलाफ अकेले दम पर मोर्चा खोल दिया। मावी ने मैदान के चारों ओर शाट लगाते हुए मात्र 39 गेंदों में 5 चौकों और 6 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 73 रनों की नाबाद और साहसी पारी खेली। उन्होंने पारूष मंडल (नाबाद 8 रन) के साथ आठवें विकेट के लिए 74 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच को आखिरी ओवर तक खींचा और हार के अंतर को कम किया, लेकिन वे अपनी टीम को जीत की दहलीज पर नहीं करा सके।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान



लंदन
भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है।

नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नार्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नार्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी-20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट-क्लास, 24 लिस्ट-ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी-20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी आलराउंड क्षमता साबित की है।

आमिर जंगू और रोस्टन चेज़ ने वेस्टइंडीज़ को दिलाई दमदार वापसी



रोस्टन चेज़ ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने पूरे अंतिम सत्र में धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए 203 गेंदों का सामना किया और 103 रन की नाबाद साझेदारी कर श्रीलंका की बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया।
श्रीलंका को गेंदबाजी में भी झटका लगा, जब तेज गेंदबाज लाहिरु कुमारा हेमसिंग्गा में परेशानी के कारण मैदान छोड़कर बाहर चले गए। इसका फायदा जंगू और चेज़ ने उठाया और दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज़ को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

अब वेस्टइंडीज़ श्रीलंका के पहली पारी के स्कोर से केवल 37 रन पीछे है और उसके पास अभी पांच विकेट शेष हैं।
संक्षिप्त स्कोर
श्रीलंका: 308 रन (धनंजय डी सिल्वा 120, दिनेश चांदीमल 54, जस्टिन ग्रीव्स 3/39)
वेस्टइंडीज़: 271/5 (आमीर जंगू नाबाद 78, रोस्टन चेज़ नाबाद 42, असिथा फर्नांडो 2/25)
स्थिति: श्रीलंका पहली पारी के आधार पर 37 रन से आगे।

अभिषेक मावी का जुझारू अर्धशतक, गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से चंबल बना चैंपियन

मैच के अंतिम मिनटों में पाकिस्तान को लगातार दो पेनल्टी कानर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने दोनों प्रयास नाकाम कर दिए। इसके साथ ही भारत ने 7-1 की शानदार जीत अपने नाम कर ली।
संक्षिप्त स्कोर:
भारत 7
(सुखजीत सिंह 20 हरमनप्रीत सिंह 26 हार्दिक सिंह 34 जुगराज सिंह 35 अभिषेक 41 राज कुमार पाल 44 दिलप्रीत सिंह 54)
पाकिस्तान 1
(अबू बकर महमूद 13)।

करीब 25 गेंदों में 3 चौकों और 5 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 51 रन कूट डाले। वहीं कसान शुभम शर्मा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 38 गेंदों पर 61 रनों (5 चौके, 3 छक्के) की बेहतरीन पारी खेली। डेथ ओवरों में त्रिपुरेश सिंह ने 24 गेंदों पर 43 रन की अमूल्य नाबाद पारी खेली, जबकि रोहित कुमार गुप्ता ने मात्र 7 गेंदों पर 17 रन ठोककर टीम का स्कोर 224/5 तक पहुंचाया।
रायल निमाड़ ईगल्स की ओर से पारूष मंडल (4 ओवर, 40 रन), देवेंद्र सिंह कटैट (4 ओवर, 47 रन), पुष्कर विश्वकर्मा (4 ओवर, 38 रन) और कुमार कार्तिकेय (4 ओवर, 52 रन) को 1-1 सफलता तो मिली, लेकिन वे चंबल का बरंडूी एक्सप्रेस को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे। कार्तिकेय और कटैट इस खिताबी मुकाबले में सबसे महंगे साबित हुए।
अभिषेक मावी का जुझारू अर्धशतक, गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से चंबल बना चैंपियन - 225 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा